PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ३

लड़की जो हँसती जाती

Author: Meera Ganapathi
Illustrator: ROSH
Translator: Nirmala Shukla

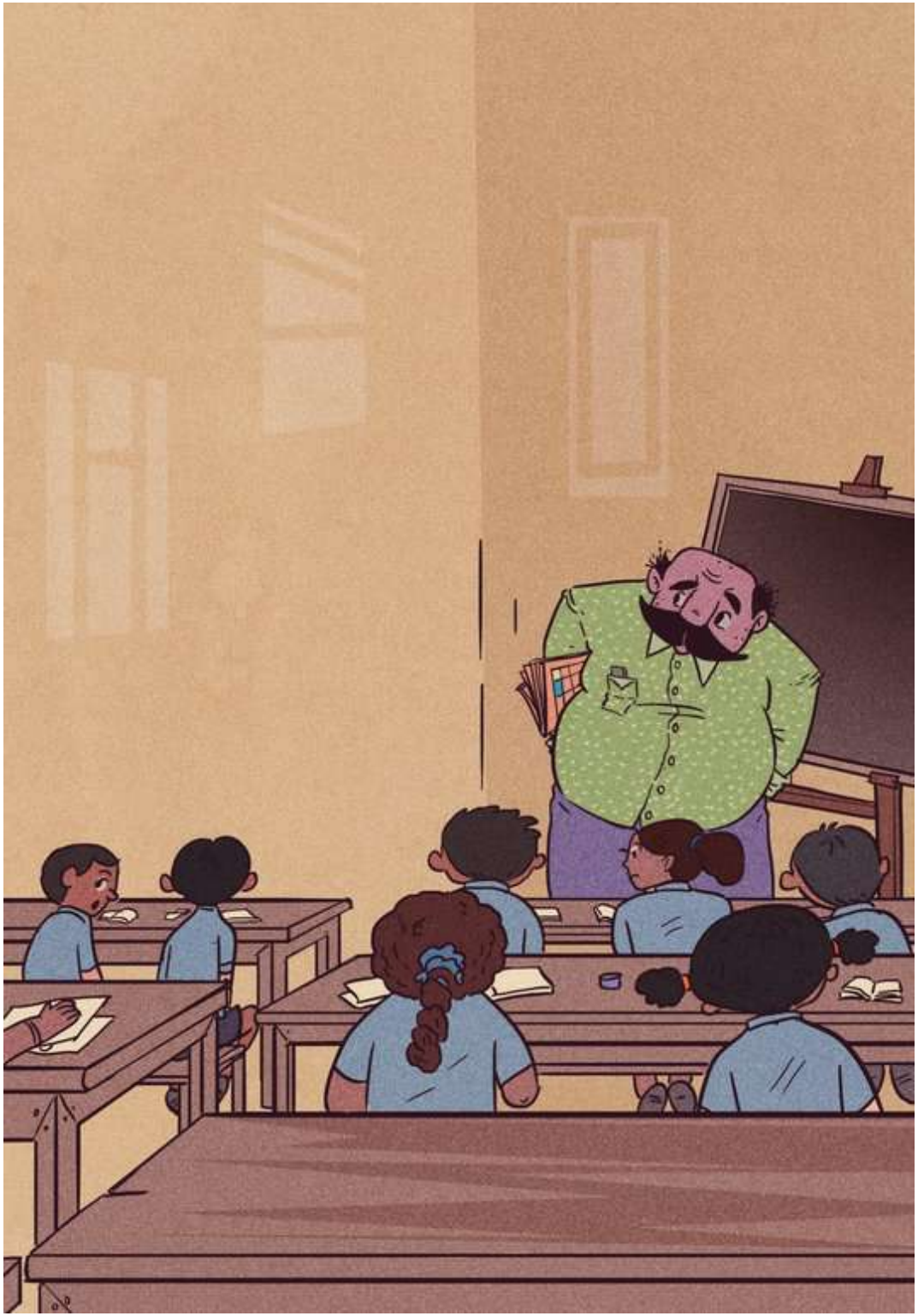

मममबबररररफफफबहबहबहाहाहाहाहाहाहाहा

कक्षा 4 बी में एक विस्फ़ोटक आवाज़ फूट पड़ी।

गणित के अध्यापक गुंडप्पा सर अच्छी तरह जानते थे कि यह बम कहाँ फूटा है।

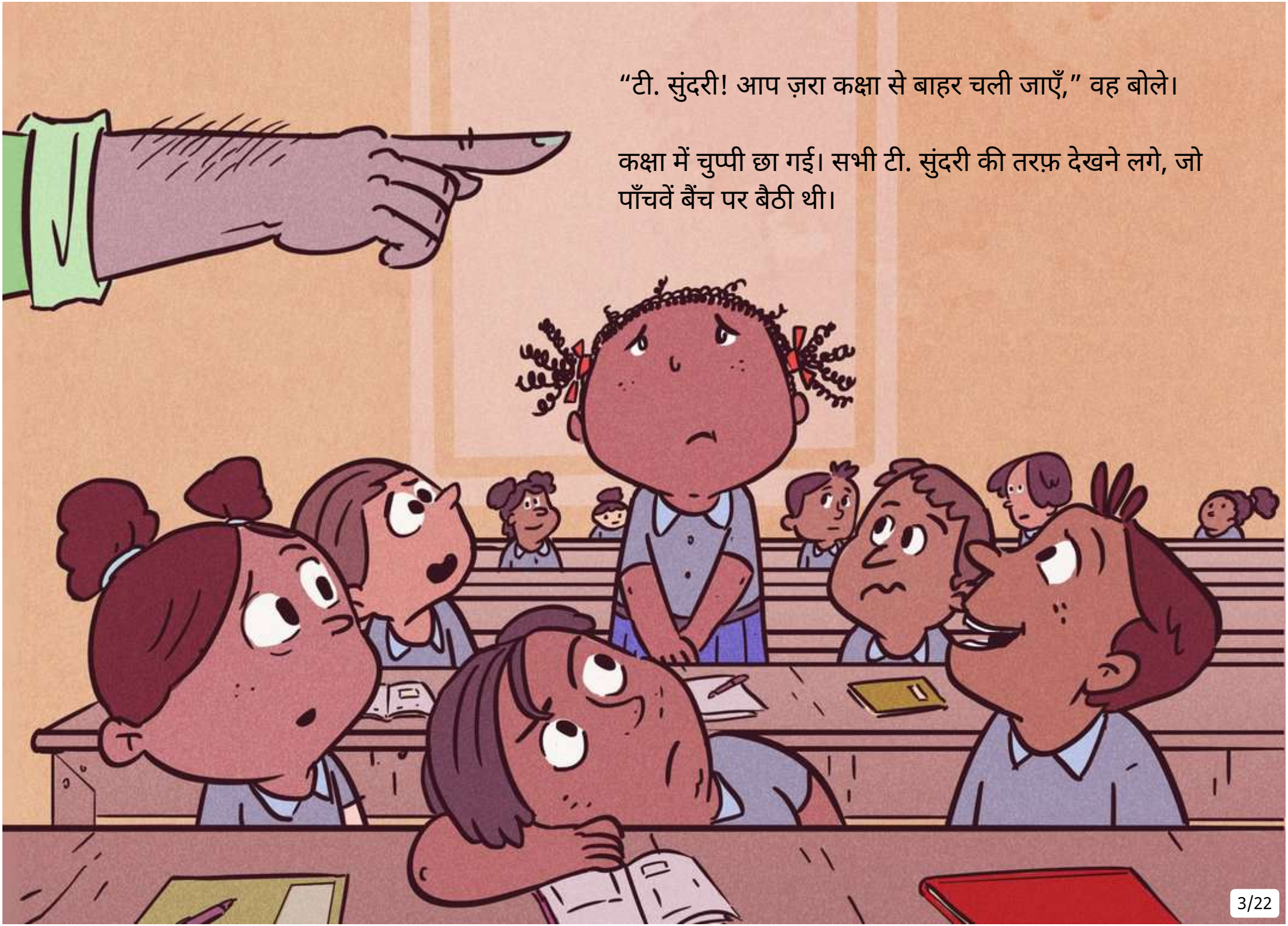

“टी. सुंदरी! आप ज़रा कक्षा से बाहर चली जाएँ,” वह बोले।

कक्षा में चुप्पी छा गई। सभी टी. सुंदरी की तरफ़ देखने लगे, जो पाँचवें बैंच पर बैठी थी।

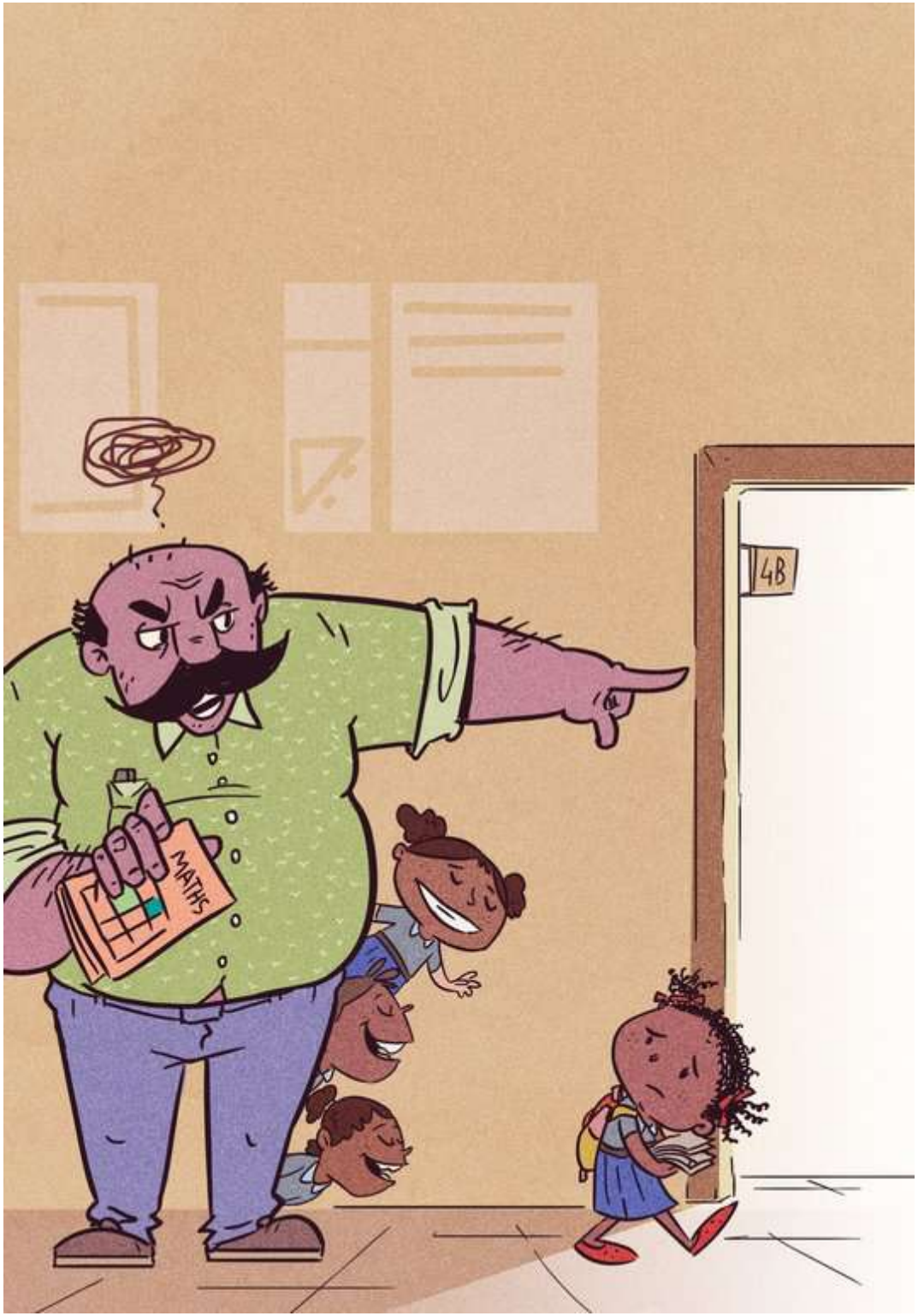

“लेकिन सर! प्लीज़ सर! मैंने अपनी हँसी रोकने की बहुत कोशिश की लेकिन रुक नहीं पाई!”

कक्षा 4 बी में सभी ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगे।

सभी जानते हैं कि टी. सुंदरी बहुत हँसती है।
वह लगभग हर बात पर हँसती है।

पिछले हफ़्ते की ही बात है, एक सहपाठी ने टी. सुंदरी को चुटकुला सुनाया:

प्रश्न : गणित के अध्यापक हमेशा इतने दु:खी क्यों दिखाई देते हैं?
उत्तर : क्योंकि उन्हें बहुत सारे हल जो निकालने पड़ते हैं।

टी. सुंदरी ने अपनी आँखें सिकोड़ीं और खिलखिला दी। और अब गुंडप्पा सर को देखते ही कक्षा 4 बी में हर कोई बिना कारण हँसता है।

हर एक चुटकुला टी. सुंदरी पर अलग ही असर दिखाता है।

कभी ठहाका फूट पड़ता है

आहाहाहाहा

कभी खिलखिलाहट

पीहीहीहीही

कभी हल्की हँसी

हीं...हीं...हीं...हीं

कभी घटोत्कच* जैसी राक्षसी हँसी

हुहाहाहाहाहाहाहा

कभी-कभी जब टी सुंदरी अपनी हँसी को रोकने की बहुत ज़्यादा कोशिश करती तो हँसी फ़िर बम की तरह फूट पड़ती है।

मम्म्म्म्मपररफफटटरहाहाहाहा

हाहाहाहाहाहाहाहाहाहाहाहा

**महाभारत में घटोत्कच एक बड़ा और शक्तिशाली राक्षस है, जो अपनी दहाड़ती हुई हँसी के लिए जाना जाता है।*

टी. सुंदरी चिंता में पड़ गई। कहीं कुछ गड़बड़ तो है! वह अपनी हँसी रोक क्यों नहीं पाती? उसे कुछ करना ही होगा।

मुँह में रुमाल ठूँसने से भी बात नहीं बनती, वह जैसे ही हँसती, रुमाल उछल कर उसके मुँह से बाहर आ जाता।

टी. सुंदरी ने उन चीज़ों की एक सूची बनाई जो उसे अटपटी लगती हैं और हँसाती हैं:

1. पादना

2. हग्गी-मुत्ती के बारे में चुटकुले

3. बोंडा शब्द

4. लोगों का केले के छिलके पर फिसलना

5. गुदगुदी

“मैं इस बात का पक्का ध्यान रखूँगी कि अब मैं इन बातों पर न हँसूं,” टी. सुंदरी ने निश्चय किया।

पूट पूट ***पूटरररररररर***

अगले दिन पुस्तकालय में, पी. मणिकंठन किताबों की एक अलमारी के पीछे मुड़ा और टी. सुंदरी ने धीमी-सी
एक आवाज़ सुनी:

टी. सुंदरी पादने की आवाज़ को बहुत अच्छी तरह पहचानती थी, वह सब भूलकर फूट पड़ी। सूची बनाना तो बेकार रहा!

अब कोई और तरीका
आज़माना होगा।

शायद एक तरीका स्कंदु अन्ना हैं, टी. सुंदरी का बड़ा भाई, एक वैज्ञानिक!

शायद वह कोई मशीन बना दें जो उसे हँसने से रोक सके।

टी. सुंदरी ने उसे अपनी परेशानी बताई तो ज़्यादातर गंभीर रहनेवाले स्कंदु अन्ना ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगे।

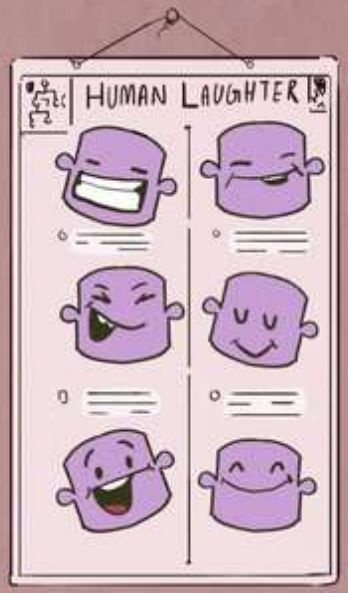

टी. सुंदरी को लगा कि कहीं यह खानदानी समस्या तो नहीं है! क्या हम सबको ही हँसने की बीमारी है?

“नहीं,” स्कंदु अन्ना ने बड़े धीरज से उसे बताया।

“सुंदरी! कुछ भी मज़ेदार होने पर हँसना सभी मनुष्यों के लिए एकदम सामान्य बात है। कुछ लोग, दूसरों से ज़्यादा हँसते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।”

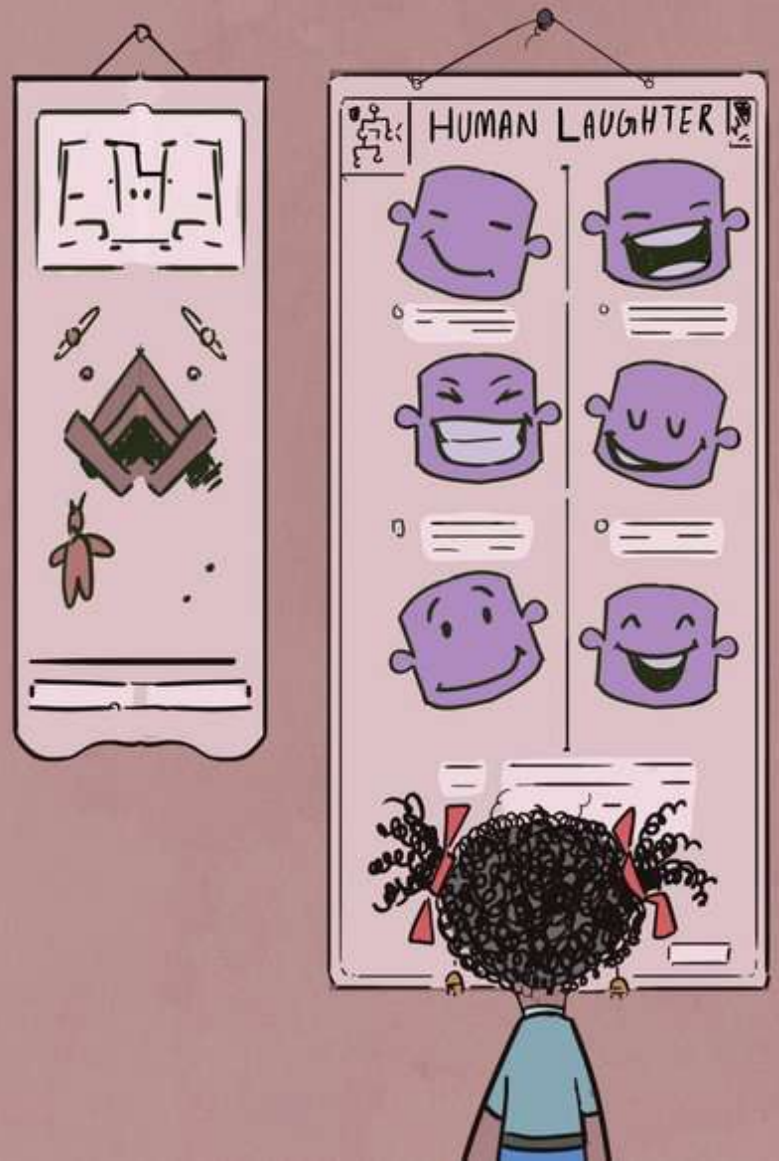

“सच्ची?” टी. सुंदरी ने हैरत से पूछा। उसे तो हमेशा यही बताया जाता था कि वह बहुत ज़्यादा हँसती है।

“हाँ, बल्कि हँसी तो सेहत के लिए बहुत अच्छी है!” स्कंदु अन्ना ने उसे समझाया। “यह कुछ ख़ास रसायन हमारे खून में छोड़ती है, जो हमें ख़ुशी देता है।”

“क्या तुम जानती हो, बिलकुल आदिम मनुष्य भी हँसते थे?” अन्ना ने उससे पूछा।
टी. सुंदरी दंग थी! वह कल्पना कर रही थी कि बड़ी गदा लिए, लंबी दाढ़ीवाला आदिमानव उसी की तरह खिलखिला रहा है।

“हाँ,” अन्ना ने बताया, “हमारे पुरखों के पास जब बोलने के लिए भाषा भी नहीं थी, उससे भी बहुत पहले से वह हँसते थे। यह उनका एक-दूसरे को यह बताने का तरीका था कि सब कुछ ठीक है।”

“आज, हम दूसरे लोगों को यह दिखाने के लिए कि हम उन्हें पसंद करते हैं या अपनी ख़ुशी दिखाने के लिए हँसते हैं। जीवों की दूसरी प्रजातियाँ भी हँस सकती हैं, सुंदरी,” स्कंदु अन्ना बोले।

“वनमानुष, बोनोबो, चूहे, डालफिन मछलियाँ...यहाँ तक कि कुत्ते भी हँस सकते हैं,” अन्ना ने उसे बताया।

अपने पालतू कुत्ते मुत्तू के बारे में सोचकर टी. सुंदरी को फ़िर हँसी आ गई।

आख़िरकार जब हँसी बंद हुई, तब अन्ना ने पूछा, “जानती हो सुंदरी,
तुमने अभी कसरत की है?”

“कैसे, अन्ना? हम तो बस बातें कर रहे थे!”

“देखो मुस्कुराने के लिए माँसपेशियों के एक जोड़े से लेकर दस जोड़े तक काम करते हैं। इसलिए हर बार जब आप खिलखिलाते या हँसते हैं तो आपके चेहरे की कसरत होती है,” अन्ना ने समझाया।

“अरे वाह! तो फिर मेरे गालों में डोले बन जाएँगे।” टी. सुंदरी ख़ुश हो गई।

अन्ना हँसने लगे, “नहीं, डोले नहीं। डोले तो तुम्हारी बाँहों में बन सकते हैं। लेकिन जब भी तुम हँसती हो, तुम्हारे चेहरे की छोटी और बड़ी गालों की हड्डियों की माँसपेशियाँ ऊपर और नीचे की ओर खिंचती हैं। उसी से चेहरे पर हँसने का भाव दिखता है।”

“और आवाज़? उसे सुनकर तो दूसरे भी हँस देते हैं!” टी. सुंदरी बोली।

“हूँअअअअ... जब तुम साँस लेती हो न, तब हवा आवाज़ की नली से होती हुई तुम्हारे फेफड़ों में जाती है। लेकिन जब तुम हँसती हो, तब हवा रुक जाती है और वह तालबद्ध ‘हा-हा-हा’ के रूप में निकलती है जिसे तुम रोक नहीं पाती।” अन्ना ने उसे बड़े प्यार से बताया।

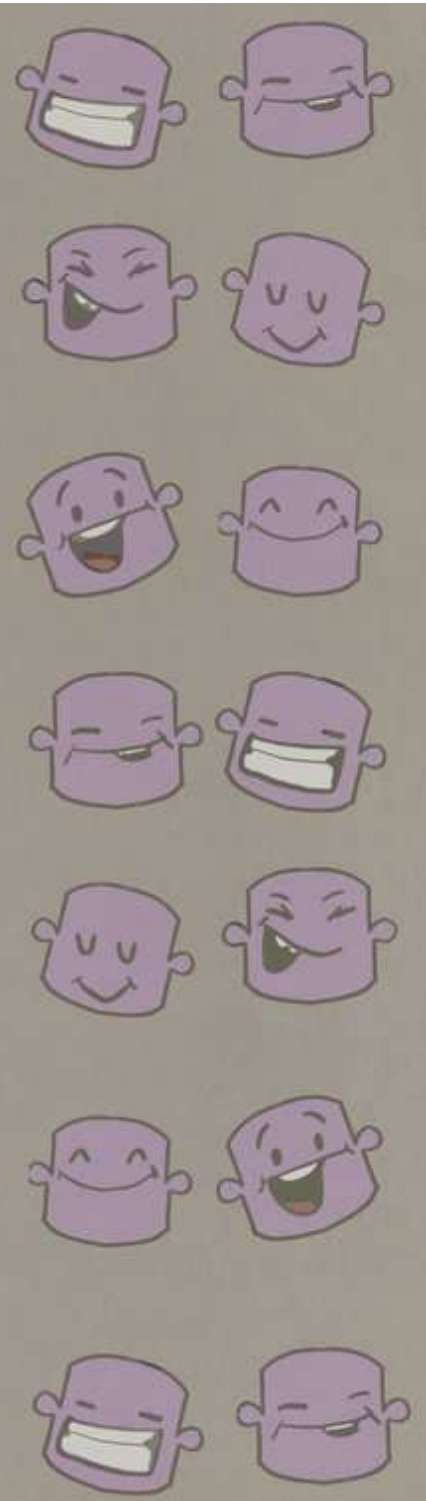

“तो सुंदरी, समझ में आ गया न, कि हँसना एकदम सहज है?

और अगर तुम किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचा रही हो तो
एक बढ़िया हँसी में कुछ भी गलत नहीं है।”

अब टी. सुंदरी को सबकुछ सही लग रहा था।

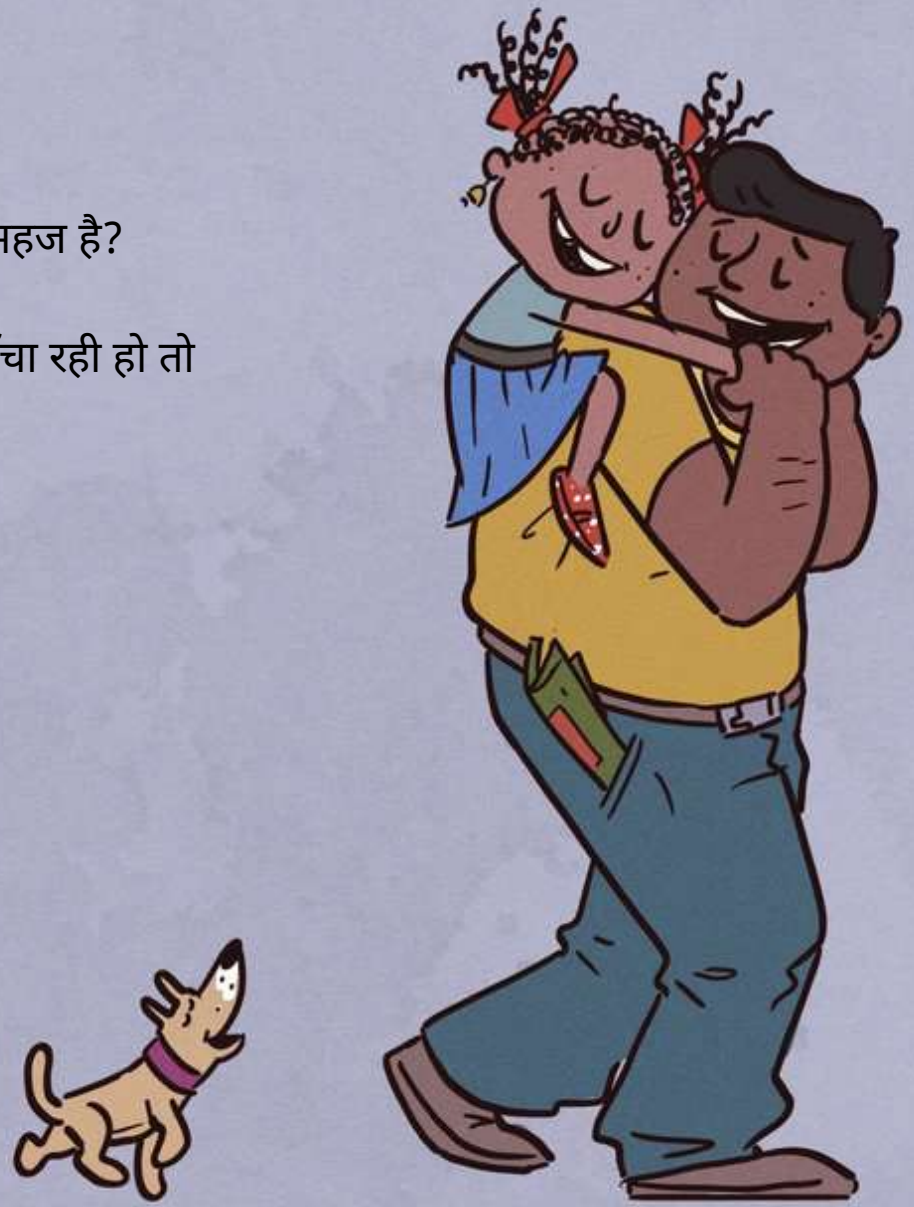

“चाय का समय हो गया है, क्या हम उसके साथ एक-एक आलू बोंडा भी खा लें?”
स्कंदु अन्ना अच्छी तरह जानते थे कि अब क्या होने वाला है।

टी. सुंदरी अपनी हँसी रोक न पाई।
बोंडा पेट में पहुँचने के बाद भी नहीं!

क्या तुम ये हँसियाँ हँस सकते हो?

गरारे वाली हँसी - **ग्लगग्लगग्लगग्लगहाहाहाहा**

बम जैसी हँसी - **महररपपबभभटटटअअअहाहाहाहाहाहा**

पश्चिमी वंडनपल्ली की चुड़ैल - **ई ही हीईई हीईई**

घटोत्कच - **हु हा हा हा हा**

हल्की हँसी - **बीहीहीहीहीही**

नकली हँसी - **खि खि खि खि**

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: लड़की जो हँसती जाती is translated by Nirmala Shukla . The © for this translation lies with Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'The Girl Who Could Not Stop Laughing', by Meera Ganapathi . © Pratham Books , 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

'Ladki Jo Hansti Jati' has been published by Pratham Books. The development of this book has been supported by CISCO. www.prathambooks.org. Guest Editor for the original story: Padmaparna Ghosh; Guest Art Director: Sumedha Sah

Images Attributions:

Cover page: Girl laughing at her food, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Teacher with students in a classroom, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Student standing in a classroom, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Angry man and a school girl, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Girl laughing , by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Two children swinging on a gate, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Laughing girl, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Girl laughing and pointing at something, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Girl in shock, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Series of activities, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

A Corporate Social Responsibility Initiative

The development of this book has been supported by CISCO. www.prathambooks.org

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: Girl working at her table, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Boy and girl reading, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: A girl and a man in a lab by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Man putting on a coat, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: Girl looking at a poster, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: Two men laughing at a primitive looking vehicle, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: Group of laughing animals, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: Man and little girl reading a book, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: different kinds of laughter backdrop, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: Man carrying a girl piggyback, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: Man and a girl talking about food, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 22: Girl wiggling with laughter, by ROSH © Pratham Books, 2019. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

A Corporate Social Responsibility Initiative

The development of this book has been supported by CISCO. www.prathambooks.org

लड़की जो हँसती जाती

(Hindi)

टी. सुंदरी, रोज़ ही मुसीबत में फँस जाती है, क्योंकि ज़्यादातर चीज़ें उसे हँसा देती हैं। वह अपना मुँह बंद ही नहीं रख पाती। टी. सुंदरी जानना चाहती है कि क्या यह कोई समस्या है या यूँ ही हर समय हँसना आम बात है।

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!

This book is shared online by Free Kids Books at https://www.freekidsbooks.org
in terms of the creative commons license provided by the publisher or author.

Want to find more books like this?

https://www.freekidsbooks.org

Simply great free books -

Preschool, early grades, picture books, learning to read,
early chapter books, middle grade, young adult,
Pratham, Book Dash, Mustardseed, Open Equal Free, and many more!

Always Free – Always will be!

Legal Note:

This book is in CREATIVE COMMONS - Awesome!! That means you can share, reuse it, and in some cases republish it, but only in accordance with the terms of the applicable license (not all CCs are equal!), attribution must be provided, and any resulting work must be released in the same manner.

Please reach out and contact us if you want more information: https://www.freekidsbooks.org/about

Image Attribution: Annika Brandow, from You! Yes You! CC-BY-SA.
This page is added for identification.